श्री राधिकाग्रन्थमाला-संख्या १

श्री

रामकीर्तन

अथवा

बीर रामायण

जिसको

श्री प्रयाग निवासी

श्रीयुत पण्डित महाबीर प्रसाद त्रिपाठी

ने

भक्त जनों के चित्त विनोदार्थ हिन्दी भाषा के सरल छन्दों
दोहाओं और अनेक मनोहर राग रागिनियों में
रचा है ॥

यह ग्रन्थ पं० काशीनाथ बाजपेयी के प्रबन्ध से विजय प्रेस प्रयाग
में छपकर ग्रन्थकर्त्ता श्रीयुत पण्डित महावीर प्रसाद त्रिपाठी
द्वारा प्रकाशित हुआ

और

कृषि भवन प्रयाग से मिल सकता है ॥

प्रथमवार ११२५ प्रति | प्रयाग, सम्वत् १९८० | मूल्य सात रुपया